वर्षः- 06
अंकः- 38
मुरादाबाद
(Friday)
29 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति मुर्मू ने सिक्किम पुलिस को दिया 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' सम्मान

सिक्किम की राजधानी गंगटोक स्थित पलजोर स्टेडियम में गुरुवार को आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सिक्किम पुलिस को देश के सर्वोच्च पुलिस सम्मान राष्ट्रपति पुलिस ध्वज से सम्मानित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सिक्किम के दौरे पर है। उनके दौरे का आज आखिरी दिन है। इस दौरान उन्होंने सिक्किम की राजधानी गंगटोक स्थित पलजोर स्टेडियम में गुरुवार को आयोजित एक समारोह में भाग लिया। यहां उन्होंने सिक्किम पुलिस को देश के सर्वोच्च

पुलिस सम्मान राष्ट्रपति पुलिस ध्वज से सम्मानित किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर पूरा समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर, मुख्यमंत्री प्रेमसिंह तमांग, मुख्य सचिव आर. तेलंग, पुलिस महानिदेशक अक्षय सचदेवा सहित अनेक वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुआ राष्ट्रपति का स्वागत-समारोह की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन पर दिए गए औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर से हुई। इसके बाद सिक्किम पुलिस के जवानों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय सलामी दी। परेड का संचालन पूरी भव्यता और अनुशासन के साथ किया गया।राष्ट्रपति ने किया सम्मान प्रदान-समारोह का मुख्य आकर्षण राष्ट्रपति की ओर से सिक्किम पुलिस को %राष्ट्रपति पुलिस ध्वज% देना रहा। इस सम्मान को देश में पुलिस बलों की उत्कृष्ट सेवा, अनुशासन और जनसेवा के सर्वोच्च प्रतीक के रूप में माना जाता है। क्यों खास है पुरस्कार?- 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' को 'निशान' के नाम से भी जाना जाता है। यह भारत में किसी राज्य या केंद्रीय पुलिस बल को असाधारण सेवा, वीरता और व्यावसायिकता के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च औपचारिक सम्मान है।'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' से सम्मानित राज्य पुलिस के अधिकारियों को वर्दी पर एक विशेष प्रतीक चिन्ह धारण करने का अधिकार प्राप्त होता है।राष्ट्रपति ने की पुलिस बल की सराहना- अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सिक्किम पुलिस को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरे पुलिस बल के लिए गर्व का क्षण है। यह उनके समर्पण और सेवा भावना का प्रतीक है। राष्ट्रपति ने कहा कि सिक्किम पुलिस ने न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि आपदा प्रबंधन और कठिन परिस्थितियों में भी सराहनीय काम की है। आधुनिक पुलिसिंग पर जोर-राष्ट्रपति ने बदलते समय की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी, हैकिंग और डीपफेक जैसी समस्याओं से निपटने के लिए पुलिस बलों को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक पुलिसिंग में जनता के प्रति विश्वास, पारदर्शिता और संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों की सुरक्षा को सर्वोच्च- प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।ऐतिहासिक उपलब्धि इस सम्मान के साथ सिक्किम पुलिस देश की 15वीं राज्य पुलिस फोर्स बन गई है। जिसे %राष्ट्रपति पुलिस ध्वज% दिया गया है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत की तीसरी पुलिस फोर्स है जिसे यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। अनुशासित परेड का प्रदर्शन- अलंकरण समारोह में विभिन्न पुलिस टुकड़ियों ने अनुशासित और आकर्षक परेड प्रस्तुत की। परेड का नेतृत्व एसएसपी डॉ. त्सेरिंग नामग्याल ग्यात्सो ने किया। विभिन्न प्लाटूनों ने उत्कृष्ट समन्वय और अनुशासन का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लिबिंग हेलीपैड के लिए रवाना हुईं, जिसके साथ उनका तीन दिवसीय सिक्किम दौरा सम्पन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

भूपेश बघेल का रामभद्राचार्य पर निशाना: बोले- फ्यूल सस्ता कराने के लिये अपने चेले धीरेंद्र से निकलवाएं पर्ची

छत्तीसगढ़ में जगतगुरु रामभद्राचार्य और बागेश्वर धाम सरकार पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्रकृष्ण शास्त्री को लेकर जमकर सियासत गरमाई हुई है।छत्तीसगढ़ में जगतगुरु रामभद्राचार्य और बागेश्वर धाम सरकार पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्रकृष्ण शास्त्री को लेकर जमकर सियासत गरमाई हुई है। छत्तीसगढ़ नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के बाद अब प्रदेश के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भी उन्हें निशाने पर लिया है। बघेल ने एक बार फिर धार्मिक और राजनीतिक मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने जगद्गुरु रामभद्राचार्य पर तंज कसते हुए कहा कि वे अपने चेले कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से पेट्रोल-डीजल के दाम कम करवाएं। कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि धीरेंद्र शास्त्री पर्ची देखकर सब कुछ बता सकते हैं, तो उन्हें रामभद्राचार्य से निर्देश लेकर देश में पेट्रोल और डीजल के दाम भी कम कराने चाहिए। ट्वीट कर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि रामभद्राचार्य जी गौ-भक्त हैं, राम भक्त हैं तो वे ये बताएं कि मोदी जी ने तो गौ-मांस भक्षक किरण रिजिजू को अपने मंत्रिमंडल में रखा है? क्या रामभद्राचार्य जी इसे उचित मानते हैं ? मैं रामभद्राचार्य जी से विनम्र निवेदन करता हूं कि वे अपने शिष्य धीरेंद्र शास्त्री जी को निर्देशित कर के पेट्रोल-डीजल के दाम कम करवाएं और रामभद्राचार्य जी बड़े ज्ञानी और गुणी हैं, मैं उनसे पूछना चाहूंगा कि ये मोदी जी ट्रंप के सामने इतना झुक क्यों जाते हैं

मथुरा में बवाल: परिक्रमा मार्ग पर आधे घंटे तक बरसीं गोलियां, श्रद्धालुओं में मची भगदड़;फायरिंग में दो घायल

मथुरा के महोली गांव में 84 कोस परिक्रमा के दौरान भंडारा लगाने को लेकर दो पक्षों में विवाद इतना बढ़ गया कि ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई। करीब 30 मिनट चली गोलीबारी में दो लोग घायल हुए हैं,

जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।मथुरा के हाईवे क्षेत्र स्थित महोली गांव में गुरुवार को पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से जमकर ईंट-पत्थर चले और खुलेआम अवैध हथियारों से फायरिंग की गई। घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई और परिक्रमार्थियों समेत ग्रामीणों में दहशत फैल गई। झगड़े में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई को गोली लगी है। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया।जानकारी के अनुसार गांव निवासी गुड्डी प्रधान और चंद्रपाल के बीच करीब छह महीने पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। उस समय ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया था, लेकिन पुरानी रंजिश खत्म नहीं हुई। बुधवार को दोनों पक्षों के बीच फिर कहासुनी हुई, जिसके बाद ईंट-पत्थर चलने लगे। करीब आधे घंटे तक चले बवाल से गांव में भगदड़ जैसे हालात बन गए और लोग जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे।बताया जा रहा है कि गुरुवार को अधिक मास परिक्रमा के दौरान चंद्रपाल पक्ष ने परिक्रमार्थियों के लिए प्याऊ और सेवा शिविर लगाया हुआ था।

इसी दौरान गुड्डी प्रधान पार्षद के लोग भी वहां केला और अन्य सामग्री वितरण करने पहुंच गए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से फायरिंग शुरू हो गई।घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें लोग खुलेआम हथियार लहराते और फायरिंग करते दिखाई दे रहे हैं। गोलीबारी से इलाके में दहशत फैल गई। झगड़े में चंद्रपाल पक्ष के रवि के पैर में और संजू के सीने में गोली लगी है। वहीं गुड्डी प्रधान पक्ष के हरिओम के सिर और सावित्री के हाथ में गोली लगी है। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। संजू और हरिओम की हालत गंभीर होने पर उन्हें सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि चंद्रपाल पक्ष के राजू और मलखान सिंह तथा गुड्डी पक्ष के रिंकू और केदार का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी राजीव कुमार सीओ अनिल कपरवान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने गांव में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो और मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश बोले: यूथ कहे आज, नो मोर भाजपा, बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा भाजपा का करप्ट सिस्टम

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीबीएसई परीक्षा विवाद को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था भ्रष्टाचार से प्रभावित है और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने युवाओं से नो मोर भाजपा का नारा देते हुए सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाए।अखिलेश यादव ने गुरुवार को फिर से भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने अपने X अकाउंट से लिखा- CBSE के मामले में लाखों स्टूडेंट्स और उनके माता-पिता की सबसे बड़ी समस्या ये है कि कॉपियों को फिर से जांचने की मांग करके भी क्या हासिल होगा? क्योंकि घपला करने वाला भाजपा का करप्ट सिस्टम तो वही है। न कोई जिम्मेदारी ले रहा है, न कोई इस्तीफा दे रहा है। भाजपा के जिन संगी-साथियों ने सत्ता के आपसी बंटवारे के समय शिक्षा से जुड़े हर मामले का एकाधिकार ले लिया हो, वो भी इस घपले के बाहर आने पर अपने स्वभाव के अनुसार अंडरग्राउंड हो गये

हैं। बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करनेवाले केवल देश के वर्तमान ही नहीं, बल्कि भविष्य से भी दगा कर रहे हैं। अब कहां है वो 'खुफियाजीवी' लोग जो नैतिकता का पट्टा गले में डालकर विभाजन की सियासत करते हैं। Youth कहे आज का, No more भाजपा !जनता भाजपा को धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी अखिलेश यादव ने बुधवार को उन्होंने अपने X अकाउंट से लिखा था- अगले चुनाव में जनता भाजपा को धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी। शुक्र है उप्र के 'असफल मुख्यमंत्री' जी ने ये नहीं कहा कि इस 'महा विद्युत आपदा' के पीछे दिल्लीवालों के भेजे हुए दूत की साजिश है। ये स्पष्ट किया जाए कि मुख्यमंत्री जी की समीक्षा बैठक में बिजली मंत्री जी आते नहीं हैं या बुलाए नहीं जाते हैं। अगर आते हैं तो माननीय से अनुरोध है कि उनके 'कंधे पर हाथ रखकर' एक तस्वीर आप पोस्ट कर दीजिए, जनता को आपकी 'आपसी गर्मी' से तो राहत मिल जाएगी। क्योंकि जनता ने आप दोनों को कभी एकांत में साथ देखा नहीं। भाजपा राज में बिजली के सब-स्टेशनों पर पीएसी लगती है और विधायक-सांसद अपनी ही सरकार के खिलाफ चिट्ठी लिखकर, जनता के आक्रोश से बचने का कायराना काम करते हैं। भाजपा में अब करंट नहीं रहा।

अल नीनो से निपटने की तैयारी: खरीफ फसलों के लिए बनेगा विशेष प्लान, कृषि मंत्री बोले- चिंता नहीं तैयारी की जरूरत

केंद्र सरकार ने कहा है कि एल नीनो और कमजोर मानसून की आशंका को देखते हुए खरीफ फसलों के लिए विशेष तैयारी की जा रही है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रभावित जिलों के लिए कंटीजेंसी प्लान और वैकल्पिक फसलों की व्यवस्था की जाएगी।संभावित अल नीनो और कमजोर मानसून की आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि वह खरीफ फसलों पर पड़ने वाले किसी भी प्रतिकूल असर से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि प्रभावित जिलों के लिए वैकल्पिक फसलों की योजना बनाई जा रही है और जरूरत पड़ने पर फसल पैटर्न में बदलाव भी किया जाएगा।दो दिवसीय राष्ट्रीय खरीफ सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बातचीत में चौहान ने कहा कि चिंता करने की नहीं, तैयारी करने की जरूरत है। जिन जिलों पर असर पड़ सकता है, वहां कंटीजेंसी प्लान तैयार किए जाएंगे और आवश्यकता अनुसार फसल परिवर्तन पर विचार होगा।कृषि मंत्रालय क्या कर रहा तैयारी?- उन्होंने बताया कि कृषि मंत्रालय अल नीनो के संभावित प्रभाव को देखते हुए वैकल्पिक फसलों के लिए जिलों की पहचान कर रहा है और बीजों की उपलब्धता

सुनिश्चित करने पर काम चल रहा है।हालांकि कृषि मंत्री ने कहा कि मौसम संबंधी चुनौतियों के बावजूद देश 2025-26 फसल वर्ष में रिकॉर्ड 376.56 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 18.8 मिलियन टन अधिक होगा। चावल उत्पादन को लेकर कृषि अनुसंधान परिषद ने क्या बताया? सम्मेलन में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के महानिदेशक एम एल जाट ने फसल विविधीकरण पर जोर देते हुए कहा कि देश 2047 के लिए तय चावल उत्पादन लक्ष्य पहले ही हासिल कर चुका है। उन्होंने कहा कि अब धान की खेती वाले लगभग 15 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को तिलहन और दलहन की ओर मोड़ने की जरूरत है, ताकि भारत इन फसलों में आत्मनिर्भर बन सके। जाट ने यह भी बताया कि देश के 100 से अधिक जिलों में वैज्ञानिक मानकों से अधिक उर्वरकों का उपयोग हो रहा है। उन्होंने मिट्टी की सेहत सुधारने, जैविक और जैव-उर्वरकों के इस्तेमाल को बढ़ाने व पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग पर जोर दिया। बीजों की गुणवत्ता को भी अहम मुद्दा बताते हुए उन्होंने कहा कि किसानों तक बेहतर गुणवत्ता वाले बीज पहुंचाने मात्र से उत्पादकता में 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत -कृषि मंत्री चौहान ने वन नेशन, वन एग्रीकल्चर, वन टीम के तहत राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत बताई। उन्होंने चेतावनी दी कि कृषि संबंधी बैठकों को लेकर राज्यों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को समय पर बीज वितरण, किसान क्रेडिट कार्ड कवरेज बढ़ाने, किसान आईडी जारी करने और नकली बीज, उर्वरक व कीटनाशक बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। कृषि सचिव अतिश चंद्र ने कहा कि फसल विविधीकरण, कृषि आत्मनिर्भरता और टिकाऊ खेती अब सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं और राज्यों को अपनी योजनाएं इन्हीं लक्ष्यों के अनुरूप तैयार करनी चाहिए।

संपादकीय Editorial

The Supreme Court's Question on Reservation

A Supreme Court bench has questioned the continued granting of reservations to OBC children whose families have advanced and prospered educationally and economically. Both parents are IAS officers or hold high positions in the government, or whose combined income exceeds the authorized maximum limit for the "creamy layer." That is, why should children of parents whose combined annual income exceeds ?8 lakh be granted reservations? The bench also made an important observation: educational and economic empowerment brings social mobility. If reservations continue forever, we will never be able to break free from this cycle. Indeed, reservations have lost their social, educational, and economic significance and have been turned into a political weapon. Our Constitution-makers provided for 10 years of reservation for Scheduled Castes and Scheduled Tribes, but during VP Singh's tenure as Prime Minister, OBCs (OBCs) were also included within the scope of reservations. After that, approximately 50% reservation continues even today. Some states have managed to exceed the maximum reservation limit and extend reservations to Muslims as well. They are also violating the Supreme Court's decision. More than 76 years have passed since the Constitution was enacted. Today, the Supreme Court has again been forced to raise questions. The questions raised by Justice B.V. Nagarathna and Justice Ujjal Bhuyan will be ignored by the country's political system, which is not even in favor of reviewing reservations. Recall the 2024 Lok Sabha elections. The Congress, the Samajwadi Party, and some opposition parties, waving a symbolic booklet of the Constitution, spread a false narrative that the BJP government was going to change the Constitution and had set a target of 400 seats. If the Constitution is changed, the BJP can also end reservations, because the Sangh Parivar is mentally and ideologically opposed to reservations. Prime Minister Modi made great efforts to reassure the public that neither the Constitution will change nor reservations will end. Reservations continue even today. Ultimately, the BJP fell short of a simple majority in the elections, settling for 240 seats. In Uttar Pradesh, the BJP won less than 50% of its target, while the Samajwadi Party secured 37 MPs in the Lok Sabha.

Congress also secured six seats in the Lok Sabha. A similar narrative could now be revived. The "reservationist opposition" could also interpret the Supreme Court's question politically and electorally. The reservation system was established with the idea of ??combating social, economic, and educational inequalities and providing social and educational equality. An average IAS or IPS officer receives an in-hand salary of over ?95,000-?1 lakh (approximately $100,000 USD) at the beginning of their career. With experience and seniority, this salary rises to ?2 lakh (approximately $200,000 USD) or more per month. Government accommodation and vehicle privileges are separate. Such officers possess a distinct influence in the corridors of power. When the child of such parents becomes a teenager and reaches 10th grade, calculate how "creamy" the annual income of such official parents will be. So, should such children be considered "backward," socially disadvantaged, and deprived, and should they be granted reservation? The judicial bench believes that if the next generation continues to demand reservation, society will never be able to break free from this system. In fact, the "creamy layer" system came into existence with the historic 1992 Indira Sawhney judgment. This issue is both essential and more sensitive. The Supreme Court should use its privilege.

Rubio's Visit to India

US Secretary of State Marco Rubio's visit to India has raised hopes of strengthening relations between the two countries, but India is concerned about the challenges posed by US policies. Rubio held a direct meeting with PM Modi. Concerns were expressed over the delay in the India-US trade agreement. The Iran crisis and Indo-Pacific cooperation were discussed. After commencing his visit in Kolkata for the Quad Foreign Ministers' Meeting, US Secretary of State Marco Rubio, who arrived in Delhi to meet Prime Minister Modi directly and have a lengthy conversation with him, clearly demonstrates his deep emphasis on strengthening relations between the two countries. Typically, a foreign minister first meets with his counterpart before meeting with the Prime Minister, but this sequence was broken in the case of the US Secretary of State. After a lengthy conversation with the Prime Minister, he also extended an invitation to him to visit the United States. However, this will only be significant if the process of improving relations between the two countries truly gains momentum. India cannot be satisfied merely with the US being a priority and giving it special importance, as its current policies are not proving to be in India's interests. Firstly, the India-US trade agreement is being delayed, and secondly, US President Trump is giving undue importance to Pakistan, which he had labeled a traitor during his previous term. The conflict between the US and Iran is also posing a problem for India. India is one of the countries most affected by Iran's blockade of the Sea of ??Hormuz due to this conflict. The US bears a significant responsibility for the global energy crisis caused by the US-Iran conflict. It is natural that the West Asian crisis, i.e., Iran, will be discussed in the talks between the US Secretary of State and the Indian Prime Minister. It is essential for India to insist that the US prioritize resolving the West Asian crisis and, accordingly, move forward towards finalizing the trade agreement. It's true that before leaving for India, the US Secretary of State described India as a great country and partner and said he hoped to work with it in many areas, but that doesn't appear to be happening right now. The US Secretary of State, who is visiting India for the first time, stated the purpose of his visit as working together on trade, defense, energy security, and technical cooperation in the Indo-Pacific region. It remains to be seen whether his visit will be helpful in achieving these objectives. Of course, it also remains to be seen how seriously the US takes the four-nation organization, the Quad.

Rupee Battling Global Shocks

The rupee has been falling against the dollar for decades, accelerating in the last decade, falling from 66 to 96. The West Asian war has increased energy and fertilizer prices. Foreign investment outflows have put pressure on the rupee. Exports and economic reforms will permanently revive the rupee. Prime Minister Narendra Modi first appealed to citizens to economize on energy and then warned that the ongoing war in West Asia could lead to a global economic recession. Four concerns were driving his statements. The closure of the Strait of Hormuz has increased oil, gas, and fertilizer prices by more than one and a half times, increasing India's energy and fertilizer import bill by almost one and a half times. The rise in energy and fertilizer prices poses a risk of inflation and a budget disruption. Foreign investors have been withdrawing capital from India for the past two years, and the expected increase in US interest rates could further accelerate this pace. The rupee is depreciating due to rising energy and fertilizer import bills and foreign capital flight, making imports more expensive. The rupee has been falling against the dollar for decades, accelerating in the last decade, falling from 66 to 96. Of this, 6.1 percent of the decline has occurred since the US and Israeli attacks on Iran. The rupee has weakened not only against the dollar but also against almost every hard currency except the Japanese yen. Over the past year, it has also fallen by more than 10 percent against the Pakistani rupee and the Bangladeshi taka, raising questions about the Modi government's economic policies in India. However, a graph of the Pakistani rupee shows that its value fell twice as fast as the Indian rupee against the dollar between 2016 and 2024. The Bangladeshi taka also suffered a similar decline between 2022 and 2024. After 2024, the Pakistani rupee and Bangladeshi taka saw some stability in their values, but the Indian rupee's decline remained much faster. This is the real reason for the slight improvement in the value of these two currencies compared to the rupee. The reality is that currency exchange rates are not a measure of a country's economic strength or weakness. For example, the Japanese yen is currently valued at around 60 paise. So, should India's economy be considered one and a half times stronger than Japan's? Similarly, before the introduction of the euro, in 1998, one rupee was worth 40 Italian lira. So, was India forty times more developed than Italy? The value of a country's currency is determined by its GDP and the amount of currency in circulation, and the exchange rate rises and falls based on the demand for the currency. A country whose exports exceed imports and whose currency people want to store for investment, its demand increases. Consequently, its exchange rate also rises. If the situation is the opposite, the demand for the currency decreases and the exchange rate also falls. Therefore, neither is the currency a symbol of a country's pride, nor a measure of its economy. Gross FDI, or foreign investment, in India isn't declining. It's steadily increasing, but the amount of foreign investment flowing out of India has also been increasing over the past three years. Two reasons are cited for this. First, foreign investors are turning to markets where new innovations are taking place in the fields of AI, semiconductors, and data. The prices of these companies are doubling and tripling within weeks, just like in the days of dot-com. However, it's not easy for large foreign investors to sell their investments all at once, because as soon as the news of selling spreads, prices and profits begin to fall. Ironically, this difficulty has been eased by the popularity of mutual funds in India. American investment bank Jefferies says that under the guise of demand from Indian investors investing through mutual funds, foreign investors are withdrawing their money without the stock market falling and investing in investments where they are generating monthly profits that India doesn't see in a year. The second reason is the Gulf-induced energy crisis, which threatens to disrupt India's budget, widen the trade deficit, increase inflation, and lead to a depreciating rupee. A falling rupee also reduces the value of foreign investors' investments, leading to their exodus. The rupee's decline also puts political pressure on the government, which the Reserve Bank could try to mitigate by selling dollars to shore up the rupee. However, Gita Gopinath, former Deputy Director of the International Monetary Fund, argues that the Reserve Bank should not waste its approximately $700 billion in foreign exchange reserves to shore up the rupee, as a lower rupee will benefit Indian exporters. They will be able to sell more goods in competitive foreign markets, thereby increasing foreign exchange inflows. However, the other, politically risky aspect of this is that a lower rupee will increase the cost of imports, primarily oil and fertilizers. This will increase the cost of everything and could slow down growth. If the prices of petrol, diesel, and gas are raised to reduce the daily losses of ?750 crore incurred by oil companies, the resulting relief will offset the rupee's decline. Therefore, former NITI Aayog chief Amitabh Kant argues that this crisis should be turned into an opportunity to complete the actions we should have taken to protect the climate. The increased prices of oil and fertilizers will force people to economize on both and adopt clean energy. This will not only improve the climate but also advance AI, energy, and data. This will inspire innovation in the field of storage. In fact, the rupee can only be revived permanently if exports and foreign investment increase. Both of these cannot be achieved without economic and administrative reforms.

Balendra Shah's New Protocol: Major Changes and Diplomatic Challenges in Nepal's Foreign Policy

Given Nepal's dependence on foreign aid, it will be crucial for it to find appropriate answers to these questions as quickly as possible. It must understand that when insistence turns into obstinacy, it can be self-defeating. Shah established a new protocol for meetings with foreign representatives. He refused to meet with the US ambassador and the Indian foreign secretary. These policy changes raise questions about Nepal's foreign policy. Nepal's Prime Minister Balendra Shah is frequently in the headlines for one issue or another. From becoming a prominent figure in the Zen-Gi movement in Nepal to his impressive electoral performance, his name has been prominent. The youth reposed immense trust in him, and his victory was believed to be a key factor in his efforts to dismantle the old and fragile bastion of Nepali politics and build a grand new edifice, one whose pillars would be imbued with transparency and sovereignty, free from corruption and foreign influence. In the past two months, he has implemented some major policy changes in this direction. One such change relates to the system of protocol and general etiquette. Protocol dictates that he will only meet with his foreign counterparts. It is known that previous Prime Ministers failed to adhere to this protocol, leading to widespread criticism. Balendra Shah wants to change this practice. In a similar move, he recently refused to meet with some foreign delegations and special envoys who visited Nepal, citing their lack of status and protocol. These distinguished guests included US President Donald Trump's Special Envoy for South and Central Asia, Sergio Gor. Gor had to return after meeting with members of Shah's cabinet. According to media reports, New Delhi postponed Indian Foreign Secretary Vikram Misri's visit to Nepal because a meeting with Shah could not be scheduled, and this is also being attributed to protocol. These decisions are being strongly opposed by the Nepali media and political opposition, but from Shah's perspective, he is fulfilling what he promised before coming to power. He wants to portray the previous governments as making promises but failing to deliver, especially in dealing with foreign pressure and maintaining a neutral foreign policy. Since he has only been Prime Minister for two months, Shah would prefer not to take any foreign policy action that would suggest his bias toward any particular country. Consequently, the Prime Minister held a meeting.

मुरादाबाद मंडल में बकरीद पर उत्साह, ईदगाहों और मस्जिदों में भीड़, संभल में पुलिस करती रही गश्त

मुरादाबाद मंडल में बकरीद पर सुबह से ही ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी और अमन-चैन की दुआ मांगी। घरों तैयार किए गए जबकि सिलसिला पूरे दिन चलता और प्रशासन पूरी तरह जिले में भी बकरीद में मनाई गई। गजरौला और मस्जिदों और ईदगाहों में कुर्बानी का सिलसिला शुरू पुलिस बल और मजिस्ट्रेट मोहम्मदाबाद, कबीरपुर, कलां, मोहरका पट्टी और की ईदगाहों में बड़ी संख्या जामा मस्जिद और मोहल्ला सात बजे नमाज अदा की जितेंद्र यादव ने भी चौपला लोगों को बकरीद की कुमार पुलिस बल के साथ और चंदौसी में भी बकरीद

में सेवईं और पारंपरिक व्यंजन मेहमानों की आवभगत का रहा।त्योहार को लेकर पुलिस मुस्तैद नजर आया। अमरोहा धूमधाम और शांतिपूर्ण माहौल आसपास के क्षेत्रों में लोगों ने नमाज अदा की। नमाज के बाद हुआ।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैनात रहे। गजरौला के कटाई, लिसड़ी बुजुर्ग, सुनपुरा शहवाजपुर डोर समेत कई गांवों में लोग पहुंचे। चौपला स्थित चौहानपुरी की मस्जिद में सुबह गई।सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. मस्जिद के बाहर पहुंचकर मुबारकबाद दी। इंस्पेक्टर मनोज क्षेत्र में भ्रमण करते रहे। संभल उत्साह के साथ मनाया गया।सुबह से ही ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज के लिए भारी भीड़ रही। शहर काजी मरगूब कादरी नौशाही ने त्योहार को भाईचारे, त्याग और इंसानियत का संदेश देने वाला बताया। संभल की बड़ी ईदगाह खुर्जा गेट में सुबह सात बजे मौलाना नाजिम ने नमाज अदा कराई, जबकि छोटी ईदगाह संभल गेट में सुबह छह बजे मौलाना अमान ने नमाज पढ़ाई।इस दौरान डीएम और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने ईदगाह पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सुरक्षा के मद्देनजर ड्रोन से निगरानी की गई और पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। रामपुर जिले में भी बकरीद शांतिपूर्ण माहौल में मनाई गई।दढ़ियाल, टांडा, स्वार और बिलासपुर समेत विभिन्न क्षेत्रों में लोगों ने ईदगाहों में नमाज अदा की। दढ़ियाल में एसडीएम टांडा विकास कुमार वर्मा और सीओ टांडा कीर्ति निधि आनंद पुलिस बल के साथ तैनात रहे। वहीं स्वार और बिलासपुर में भी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज अदा कर एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर नजर आया।

सामूहिक विवाह घोटाले पर बड़ा एक्शन: पंखुरी जैन की छुट्टी, प्रज्ञा बाजपेयी को मिली कमान

मुरादाबाद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में अनियमितताओं के बाद पंखुरी जैन को जिला समाज कल्याण अधिकारी पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह रामपुर की प्रज्ञा बाजपेयी को नियुक्त किया गया है, जिनके सामने लंबित जांचों को आगे बढ़ाने की चुनौती है।सचिव विवाह योजना पर सवालों के बीच हुआ बदलावमुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में जैन से मुरादाबाद के जिला समाज कल्याण अधिकारी का प्रभार हटा दिया गया। समाज कल्याण अधिकारी (विकास) प्रज्ञा बाजपेयी को मुरादाबाद का नया जिला समाज कल्याण अधिकारी के रूप में कार्य करेंगी। निदेशक समाज कल्याण ने आदेश करें। आदेश में चेतावनी दी गई है कि कार्यभार ग्रहण में लापरवाही पर अनुशासनात्मक योजना में अनियमितताओं को लेकर विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठते लाभार्थियों को पूरा सामान न मिलने और अपात्र जोड़ों के शामिल होने की सच्चाई

निलंबित होकर बहाल, लेकिन मुख्य जिम्मेदारी पर सन्नाटा- मुख्यमंत्री सामूहिक सामने आए फर्जीवाड़े और विभाग की लगातार हो रही किरकिरी के बीच पंखुरी निदेशालय समाज कल्याण संजीव सिंह ने उनके स्थान पर रामपुर में तैनात जिला समाज कल्याण अधिकारी नियुक्त किया है। पंखुरी अब केवल अमरोहा की जिला में स्पष्ट किया है कि स्थानांतरित अधिकारी बिना किसी विलंब के कार्यभार ग्रहण कार्रवाई की जाएगी।पंखुरी जैन के कार्यकाल में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह रहे हैं। पांच दिसंबर 2025 को रामपुर रोड पर हुए सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सामने आई थी।मूंढापांडे और कुंदरकी ब्लाक के जोड़ों की शादियां इस कार्यक्रम में कराई गई थीं। जांच में लगभग 37 जोड़े अपात्र पाए गए थे। 139 लाभार्थियों को सामान पूरा नहीं मिलने की पुष्टि हुई थी। यह मामला विधायक ठाकुर रामवीर सिंह की शिकायत के बाद सामने आया था लेकिन, कार्रवाई के नाम पर समाज कल्याण विभाग के सभी अधिकारी बच गए हालांकि, जिम्मेदारी सभी की थी। विधायक की शिकायत पर तत्कालीन जिलाधिकारी अनुज सिंह द्वारा कराई गई जांच में अनियमितताओं की पुष्टि होने के बाद सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) प्रशांत कुमार के निलंबन की संस्तुति शासन को भेजी गई थी। इसके बावजूद अब तक कार्रवाई लंबित है। इसी तरह सत्यापन में शामिल कुछ सचिवों पर कार्रवाई की गई थी, लेकिन बाद में उन्हें बहाल भी कर दिया गया, जिससे पूरी जांच प्रक्रिया की गंभीरता पर सवाल खड़े हो गए हैं। निगरानी पर सवाल, कार्रवाई की फाइल लंबित-मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में लाभार्थियों के दस्तावेजों के सही सत्यापन में लापरवाही और कथित अनियमित भुगतान को लेकर विभाग पहले से ही सवालों के घेरे में है। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कार्रवाई में देरी के कारण बिचौलियों और दलालों का नेटवर्क और सक्रिय हो गया है। नई जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रज्ञा बाजपेयी के सामने अब लंबित जांचों को आगे बढ़ाने, योजनाओं में पारदर्शिता लाने और विभाग की छवि सुधारने की बड़ी चुनौती होगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जांच पूरी होने के बावजूद कार्रवाई की फाइलें अब तक लखनऊ में लंबित क्यों हैं? प्रशासनिक स्तर पर यह देरी व्यवस्था पर भरोसा कमजोर कर रही है और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

पानी के लिए हाहाकार: 4 दिन में सिर्फ 1 घंटा आता है पानी, 700 परिवार बाजार से खरीदकर पीने को मजबूर

मुरादाबाद के कई इलाकों में 700 परिवार भीषण जल संकट से जूझ रहे हैं, जहाँ चार दिन में केवल एक घंटे के लिए पानी आता है। लोग पीले और खारे पानी से परेशान हैं और पीने का पानी बाजार

से खरीदने को मजबूर हैं, जबकि शिकायतें अनसुनी की जा रही हैं।लोगों ने कई बार आइजीआरएस पर की शिकायत, नहीं हुआ समाधानभीषण गर्मी के बीच शहर के चाऊ की बस्ती, हनुमान नगर, सूर्य नगर, विकास नगर, आदर्श नगर, सरिता नगर समेत कई मुहल्लों में लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। करीब 700 परिवार पीले पानी, लो प्रेशर और अनियमित जलापूर्ति की समस्या से जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि सरकारी टंकी से चार दिन में केवल एक बार पानी की आपूर्ति हो रही है। जहां तीन नलकूप की जरूरत है, वहां पर एक से ही काम चलाया जा रहा है। बीते चार महीने से यही समस्या बनी हुई है। चाऊ की बस्ती स्थित तारों वाली ज्यारत के पास रहने वाले लोगों का कहना है कि अप्रैल से क्षेत्र में जल संकट बना हुआ है।घरों में लगे नलों और हैंडपंपों से पीला और खारा पानी निकल रहा है। स्वच्छ पेयजल न मिलने से बाजार से पानी खरीदना पड़ रहा है। चाऊ की बस्ती निवासी राजेश ने बताया कि चार से पांच दिन में एक बार पानी आता है उसका भी प्रेशर बेहद कम रहता है। एक घंटे बाद सप्लाई बंद हो जाती है। जिससे घरों की टंकियां तक नहीं भर पातीं।हनुमान नगर के अशोक ने बताया कि दो से तीन दिन में अनियमित जलापूर्ति से यहां के लोग परेशान हैं। पानी आने का कोई निश्चित समय नहीं है। दो से तीन दिन बाद पानी आता है। जब सुबह पानी आता है, तो शाम को नहीं मिलता। कई बार शाम को पानी आ जाए तो सुबह नहीं मिलता। कई बार शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन समाधान नहीं हो सका। छह माह से बंद है सबमर्सिबल- चाऊ की बस्ती में करीब छह माह पहले लोगों को पेयजल संकट से राहत दिलाने के लिए सरकारी सबमर्सिबल लगाया गया था। लेकिन आज तक इसे चालू नहीं किया गया। चाऊ की बस्ती में सरकारी नलों में पीला पानी आने के कारण लोगों को निजी टैंकर और कैंपर से पानी खरीदना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर इसका बोझ पड़ रहा है। क्षेत्र में पानी की समस्या जल्द ही दूर हो जाएगी। दो नलकूप और तैयार हो गए हैं। बिजली का कनेक्शन भी जल्दी हो जाएगा। इसको लेकर बिजली विभाग से संपर्क किया गया है। तीन नलकूपों से पानी की आपूर्ति मिलने लगेगी। - राम कैलाश, महाप्रबंधक, जलकल।

संक्षिप्त समाचार

सूरज ने दिखाया तेवर, लू के थपेड़ों ने झुलसाया

मुरादाबाद । सूरज की तपिश कम नहीं हो रही है। धूप ने बुधवार को भी तेवर दिखाया। दोपहर में लू के थपेड़ों ने लोगों को झुलसाया। राहत के लिए लोगों ने उपाय किए, लेकिन बेअसर

रहा। हालांकि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार गुरुवार से आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकता है, जिससे फौरी तौर पर राहत मिलेगी। उधर, लगातार हो रही अनियमित बिजली कटौती ने लोगों की समस्या बढ़ा दी है। बिजली लाइनों में फाल्ट से असमय बिजली गायब रहती है, इससे पानी की किल्लत भी पैदा हो रही है।

कई दिनों से भीषण गर्मी झेल रहे लोगों को बुधवार को भी राहत नहीं मिली। सुबह से ही कड़ी धूप रही। दोपहर में लू के थपेड़ों ने लोगों को बेदम कर दिया। वहीं आए दिन तापमान के असंतुलन से लोग बीमार पड़ रहे हैं। सोमवार को अचानक पारा चढ़कर अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था, लेकिन अगले ही दिन यह 42 पर आ गया। इससे रात में थोड़ी सहूलियत मिली, लेकिन पूरे दिन तेज धूप और लू से देर शाम तक लोगों को गर्मी की तपिश महसूस हो रही है। बुधवार को अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 28 से 31 मई और उससे आगे भी कुछ दिन तेज आंधी के साथ हल्की से लेकर मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। इससे अधिकतम और न्यूनतम तापमान दोनों में कमी आएगी। वहीं, भीषण गर्मी और लू को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। आपदा विशेषज्ञ प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिन आंधी, बारिश का अनुमान जताया है। इससे देखते हुए भी एडवाइजरी के पालन की अपील सभी से की गई है।

मुरादाबाद समेत दो रेलवे स्टेशनों पर बनेंगे इमरजेंसी मेडिकल रूम, बीमार और घायल यात्रियों का होगा इलाज

रेलवे ने मुरादाबाद, बरेली और हरिद्वार स्टेशनों पर आपातकालीन मेडिकल रूम (ईएमआर) शुरू करने की तैयारी तेज कर दी है। यह सुविधा निजी-सार्वजनिक भागीदारी मॉडल पर संचालित होगी, जिसमें घायल यात्रियों को मुफ्त इलाज और अन्य को शुल्क पर सेवाएं मिलेंगी।रेल यात्रियों को आपात स्थिति में तुरंत उपचार उपलब्ध कराने के लिए रेलवे ने मुरादाबाद, बरेली और हरिद्वार रेलवे स्टेशनों पर इमरजेंसी मेडिकल रूम (ईएमआर) शुरू करने की तैयारी तेज कर दी है। इस व्यवस्था के संचालन के लिए रेलवे ने निजी अस्पतालों और मेडिकल सेवा प्रदाताओं से अभिरुचि आमंत्रित करते हुए टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार इन मेडिकल रूमों में केवल प्राथमिक उपचार ही नहीं, बल्कि दुर्घटना या यात्रा के दौरान घायल यात्रियों को तत्काल चिकित्सकीय सहायता देने के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरण, दवाइयां और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। एम्स की गाइडलाइन के अनुरूप मेडिकल संसाधन रखने अनिवार्य होंगे।ईएमआर में चौबीस घंटे एक एमबीबीएस डॉक्टर और प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती रहेगी। सेवा प्रदाता संस्था को स्ट्रेचर, व्हीलचेयर, मरीजों के बेड, मेडिकल किट और जरूरी दवाओं की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। इसके साथ ही एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी भी उसी एजेंसी की होगी।जरूरत पड़ने पर 108 एंबुलेंस सेवा या अन्य संसाधनों का उपयोग किया जा सकेगा। रेलवे प्रशासन की ओर से केवल मेडिकल रूम के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि बिजली, पानी और अन्य संचालन संबंधी खर्च निजी सेवा प्रदाता को उठाने होंगे। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि किसी दुर्घटना की स्थिति में घायल यात्री को तुरंत मेडिकल रूम तक पहुंचाने की जिम्मेदारी स्टेशन प्रशासन और मेडिकल सेवा प्रदाता दोनों की संयुक्त रूप से होगी।प्राथमिक उपचार के बाद यदि मरीज की हालत गंभीर होती है तो उसे सरकारी अथवा निजी अस्पताल में रेफर किया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

ईद उल अजहा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ शेर सिंह/ भुता। क्षेत्र में ईद उल अजहा (बकरीद)का त्योहार पूरी हकीकत आपसी भाईचारे और हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। मस्जिदों और ईदगाह पर हजारों लोगों ने नमाज अदा कर दुआएं मांगी।

हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने सामूहिक रूप से नमाज अदा की और देश में अमन चैन तथा भाईचारे की दुआ मांगी। ईदगाह परिसर में ही लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। नमाज के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों ने नेताओं ने भी ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों को शुभकामनाएं दी। पर्व को लेकर बच्चों एवं युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला ।ईद के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था भी चाक चौबंद रही।ईदगाह मस्जिदों प्रमुख चौराहो आदि जगह पर पुलिस बल तैनात रहा। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ लगातार मुस्तैद नजर आए। प्रशासन द्वारा पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे।

तेज हवा संग मंडराएंगे बादल तीन दिन बारिश के आसार,भीषण गर्मी से मिलेगी राहत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। पश्चिमी विक्षोभ की दस्तक का असर बुधवार को तापमान पर दिखा, लेकिन शहरवासी भीषण गर्मी से बेहाल रहे। मौसम विभाग की ओर से जारी बुलेटिन में बृहस्पतिवार से तेज हवा संग बादल मंडराने और तीन दिन तक अनुकूल माहौल बनने पर बारिश का अनुमान है। तापमान में गिरावट होने से राहत मिलेगी।बुधवार सुबह हल्के बादल छाए, लेकिन नौ बजे के बाद आसमान साफ हुआ और तेज धूप निकली। दोपहर 12 से शाम चार बजे तक बेतहाशा गर्मी से लोग छांव तलाशने के लिए विवश हुए। बाजारों में सामान्य दिनों के सापेक्ष ग्राहकों की आवाजाही कम रही। अधिकतम पारा एक डिग्री लुढ़ककर सामान्य स्तर पर 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम छह बजे के बाद ढलते सूरज के साथ गर्मी से राहत मिली। हवा की दिशा बदलने से रात में राहत मिली। न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी 60 फीसदी रही।मौसम विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक, बृहस्पतिवार को बादल छाएंगे लेकिन धूप भी रहेगी। शुक्रवार से रविवार तक मौसम के करवट लेने के आसार हैं। इलाकों में अनुकूल माहौल बनेगा, वहां उच्च वायुदाब क्षेत्र से निम्न वायुदाब क्षेत्र की ओर हवा चलेगी। बारिश के भी आसार हैं।

गायों के लिए भूसा जुटाने की जिम्मेदारी, शिक्षकों की बढ़ी टेंशन शासन का फरमान जारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को सरकार ने पहले से जनगणना व अन्य कामों में लगा रखा है। अब एक नए आदेश से उनकी मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। इस आदेश की कॉपी वायरल हो रही है, जिससे नई बहस छिड़ गई है।

दरअसल, प्राथमिक शिक्षकों को 46 किलो भूसा जुटाकर ब्लॉक में जमा कराने और उसकी प्राप्ति रसीद अपने अधिकारियों को देने का आदेश जारी किया गया है। इस तरह का आदेश सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही हैं। शिक्षक संगठनों ने इसे लेकर नाराजगी जताई है तो शिक्षा विभाग व विकास विभाग आदेश को अलग तरह से प्रचारित करने की बात कह रहे हैं। बीएसए डॉ. विनीता का कहना है कि जिस तरीके से इसका प्रचार किया जा रहा है, वैसी कोई बात नहीं है।

खंड शिक्षा अधिकारियों को दिया गया निर्देश -खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि उनके क्षेत्र में जो संपन्न लोग हैं, उन्हें इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि वह अपने क्षेत्र की गोशालाओं में भूसा दान करने या कराने में मदद करें।

हर ब्लॉक में सौ क्विंटल के लिहाज से जिले में करीब 1500 क्विंटल भूसा जुटाकर गोशालाओं में जमा करने का लक्ष्य है। चूंकि भीषण गर्मी का मौसम है और हरे चारे की उपलब्धता कम है तो भूसा जुटाने के लिए इस तरह से सामूहिक सहभागिता का प्रयास किया जा रहा है।

बकरीद के अवसर पर ईदगाह पहुंचकर नमाजियों से की मुलाकात व दी मुबारकबाद

क्यूँ न लिखूँ सच/ ईदगाह चौराहे से खकरा चौकी तक सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा। बकरीद के मुबारक अवसर पर आज जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने ईदगाह पहुंचकर लोगों को ईद की मुबारकबाद दी तथा जनपद वासियों को ईद के इस पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का आह्वान किया। जनपद की ईदगाह सहित समस्त मस्जिदों में ईद की नमाज शांतिपूर्ण अदा की गई। इसके साथ ही उन्होंने ईदगाह चौराहे से, बरेली गेट, कोतवाली होते हुए खकरा चौकी तक सुरक्षा व्यवस्था देखी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर नगर मजिस्ट्रेट, सीओ सिटी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईद-उल-अजहा की नमाज संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सुबह से ही शहर में बकरीद ईद का जश्न छाया रहा। गुरुवार को बरेली के शहर से लेकर देहात तक छोटी-बड़ी मस्जिदों, दरगाहों और खानकाहों में ईद-उल-अज़्हा की नमाज अदा की गई। लेकिन सबसे भव्य और बड़ी नमाज़ बाकरगंज स्थित ऐतिहासिक ईदगाह में देखने को मिली। क़ाज़ी-ए-हिंदुस्तान मुफ्ती मुहम्मद असजद रज़ा कादरी ने सुबह ठीक 10 बजे ईद की नमाज़ कराई। सुबह से ही नमाजी ईदगाह की ओर रवाना होने लगे थे। जल्द ही पूरी ईदगाह नमाजियों से भर गई। हजारों की तादाद में लोग सफ़ों में बैठे नजर आए। मुफ्ती असजद मियां अपने आवास दरगाह आला हज़रत से खानदान और उलमा-ए-इकराम के संग ईदगाह पहुंचे। उस वक्त ईदगाह मजहबी नारों और तकबीरों से गूंज उठी।नमाज़ के बाद मुफ्ती साहब ने ईद का खुत्बा दिया। खुत्बे में उन्होंने मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और तरक्की के लिए खास दुआ की। नमाज़ के बाद मुफ्ती असजद मियां ने आम-खास लोगों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इसके बाद वे अपने परिवार के साथ दरगाह आला हज़रत और दरगाह ताजुश्शरिया पहुंचकर हाजिरी दी।ईदगाह पर मौलाना शम्स ने नमाज़ की नियत बताई और पूरे कार्यक्रम का सुचारु संचालन किया। जमात रज़ा-ए-मुस्तफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलमान मिया ने नमाजियों से गले मिलते हुए ईद की बधाई दी। उन्होंने कहा, कुर्बानी का असली मकसद अपनी ख्वाहिशों को अल्लाह की रज़ा पर कुर्बान करना है। हमें गरीबों और यतीमों का खास ख्याल रखना चाहिए, मुल्क में भाईचारे को और मजबूत बनाना चाहिए। जमात रज़ा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान मियां ने ईदगाह कमेटी की व्यवस्था की तारीफ की और शुक्रिया अदा किया। इस मौके पर जमात रज़ा की कोर कमेटी ने सभी को ईद की मुबारकबाद दी। चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था ईद के मौके पर पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रशासन और पुलिस की सतर्कता से पूरे इलाके में शांति और सौहार्द का माहौल बना रहा। सभी प्रमुख ईदगाहों और मस्जिदों पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र में निरंतर गश्त कर सुरक्षा का जायजा लिया। नमाज पढ़ाने वाले प्रमुख इमाम कदीमी ईदगाह (पुराना रोडवेज)- मुफ्ती निसार मियां आलाहजरत ईदगाह (नूरी नगर)ः नूरी मियां पुरानी मस्जिदः सय्यद इफ्तिखार मियां बाजार वाली मस्जिदः कारी अतीक रजा मोती मस्जिदः हाफिज अनवार कादरी मियां वाली मस्जिदः हाफिज अनवार अहमद इनके अलावा ताज मस्जिद, सकलैनी मस्जिद, उमर मस्जिद, अब्दुल्ला चौधरी मस्जिद, मदारे आजम मस्जिद, अजहरी मस्जिद, मदीना मस्जिद समेत अन्य मस्जिदों में भी नमाज अदा की गई। नमाज के दौरान एसडीएम इशिता किशोर, क्षेत्राधिकारी अरुण कुमार, तहसीलदार भानू प्रताप सिंह, नगर पालिका ईओ शशि प्रभा, इंस्पेक्टर दिनेश कुमार शर्मा समेत कई अधिकारी और पुलिस टीम लगातार गश्त पर रहे।

संक्षिप्त समाचार

आईजीआरएस शिकायतों पर लापरवाही की तो नपेंगे अफसर : जिला अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। आईजीआरएस शिकायतों की गुणवत्ता निस्तारण और समय सीमा को लेकर डीएम अविनाश सिंह ने बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कुछ अधिकारियों की क्लास लगाई। समीक्षा बैठक में डीएम ने साफ कहा कि शिकायतों में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कार्रवाई तय होगी। डीएम ने निर्देश दिए कि हर शिकायतकर्ता से फोन पर बात कर कार्रवाई की जानकारी दी। जिन गांवों से सबसे ज्यादा शिकायतें आ रही हैं वहां चौपाल लगाकर मौके पर समाधान करने को कहा। वहीं, फार्मर रजिस्ट्री और जनगणना कार्यों की धीमी प्रगति पर भी नाराजगी जताते हुए लंबित काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

आकर्षण का केंद्र बनेगा रुद्रवनम पार्क , 70 फीसदी काम पूरा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली।'नाथ नगरी' की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को और मजबूती देने के उद्देश्य से इस पार्क को विकसित किया जा रहा है। रुद्रवनम को एक ऐसे हरित एवं पर्यावरण अनुकूल पर्यटन स्थल के रूप में तैयार किया जा रहा है, जहां लोग आध्यात्मिक शांति के साथ आधुनिक सुविधाओं का भी आनंद ले सकेंगे। परियोजना के तहत पार्क में 'नाथ म्यूजियम' भी विकसित किया जा रहा है, जिसमें नाथ परंपरा, बरेली की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व से जुड़ी जानकारियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह म्यूजियम शहर की सांस्कृतिक पहचान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। रुद्रवनम पार्क को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। यहां लोगों को हरित क्षेत्र, योग और ध्यान के लिए शांत स्थल, जॉगिंग ट्रैक और वॉकवे, आकर्षक बैठने की व्यवस्था, आधुनिक लाइटिंग और लैंडस्केपिंग के साथ खुला प्राकृतिक वातावरण मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार यह स्थान भविष्य में ग्रेटर बरेली का प्रमुख पर्यटन और रिक्रिएशन सेंटर बनेगा। बीडीए का उद्देश्य बरेली को एक आधुनिक, हरित और सुव्यवस्थित स्मार्ट सिटी के रूप में स्थापित करना है, जिसमें रुद्रवनम पार्क एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चित्रकूट में भीषण हादसा: वाहन की टक्कर से दो सगे भाइयों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

यूपी के चित्रकूट जिले में दर्दनाक हादसा हुआ। वाहन की टक्कर से दो सगे भाइयों की जान चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। सरधुवा थाना क्षेत्र अरछा बरेठी गांव से बुधवार की रात को अज्ञात वाहन ने एक बाइक में टक्कर मार दी, इससे दो सगे भाई घायल हो गए। दोनों को पीआरवी अपने वाहन से लेकर सीएचसी गई। वहां से रेफर कर दिया, जिला अस्पताल में एक की मौत हो गई तो दूसरे ने प्रयागराज ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना के बाद से परिजनों का हाल बेहाल है। बाइक सवारों ने हेलमेट नहीं लगाया था।पहाड़ी थाना क्षेत्र के भगौती पुरवा निवासीराममूरत ने बताया कि उसके घर में तेली कार्यक्रम था। उसमें तेली बनाने के लिए दूध लेने के लिए उसका बड़ा बेटा गणेश दत्त (35) व छोटा बेटा रंजन कुमार (30) रात करीब आठ बजे अपनी बरेठी निवासी बुआ के यहां बाइक से गए थे। वहां से लौटते समय बरेठी के बाहर निकलते ही रघुवंशीपुर के पास बाइक में किसी वाहन ने टक्कर मार दी, इससे बेटे बाइक सहित सड़क किनारे खंती में गिर गए।गिरने से दोनों भाई घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पीआरवी ने अपने वाहन से दोनों भाइयों को सीएचसी पहाड़ी में भर्ती कराया। वहां हालत गंभीर होने पर दोनों को रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने गणेशदत्त को मृत घोषित कर दिया। वहीं रंजन की हालत में सुधार न होने पर प्रयागराज भेज दिया। वहां ले जाते समय रामनगर के पास उसकी भी मौत हो गई। घटना के बाद कार्यक्रम की खुशियां मातम में बदल गईं। थाना प्रभारी निशिकांत राय ने बताया कि घटना की सूचना पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल ले जाया गया। वहां दोनों की मौत हो गई। मृतकों के चार भाई गंगाप्रसाद, रविप्रकाश, चंद्रप्रकाश, अरविंद, व तीन बहन व मां फूलमती हैं। गणेशदत्त के एक बेटा पवन, दो बेटी सपना व रचना और पत्नी राजकुमारी हैं। वहीं रंजन के एक बेटा दीपक व पत्नी चुन्नी देवी है। घटना के बाद से सभी का हाल बेहाल है।

बकरीद पर सुरक्षा का सख्त पहरा, खुद सड़क पर उतरे एसएसपी सहित प्रशासनिक अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । ईद-उल-अजहा (बकरीद) को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य व एसपी ट्रैफिक मो अकमल खां, सीओ फर्स्ट तथा सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा प्रशासनिक अधिकारी सुबह से ही शहर क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने संवेदनशील इलाकों, प्रमुख चौराहों और ईदगाहों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। वहीं आईसीसीसी कंट्रोल रूम से पूरे शहर की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई। पुलिस प्रशासन द्वारा ड्रोन कैमरों, सीसीटीवी निगरानी और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के जरिए हर गतिविधि की मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था पूरी तरह बनी रहे। एसएसपी अनुराग आर्य ने ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए और आमजन से भी शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

आंधी-तूफान की मार से जूडवनिया में लाखों की सरकारी संपत्ति तबाह

ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र की छत उड़कर गिरी, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच/चांदनी बिहारपुर - सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत उमझर अंतर्गत आश्रित ग्राम जूडवनिया में तेज आंधी और तूफान ने भारी तबाही मचा दी। राज्य सरकार की योजना के तहत लाखों रुपये की लागत से निर्मित ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र की पूरी छत उड़कर नीचे गिर गई। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार अचानक आए तेज तूफान के कारण भवन की सीट उड़कर भरवारा की ओर जा गिरी। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। तूफान के बाद भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह भवन शासन की महत्वपूर्ण योजना के तहत बनाया गया था, ताकि गांव में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। लेकिन पहली ही तेज आंधी में छत उड़ जाना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके चलते लाखों रुपये की सरकारी राशि बर्बाद हो गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की तकनीकी जांच कराई जाए और जिम्मेदार एजेंसी पर कार्रवाई हो।वहीं घटना के बाद क्षेत्र में सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और क्षतिग्रस्त भवन की मरम्मत कब तक हो पाती है।

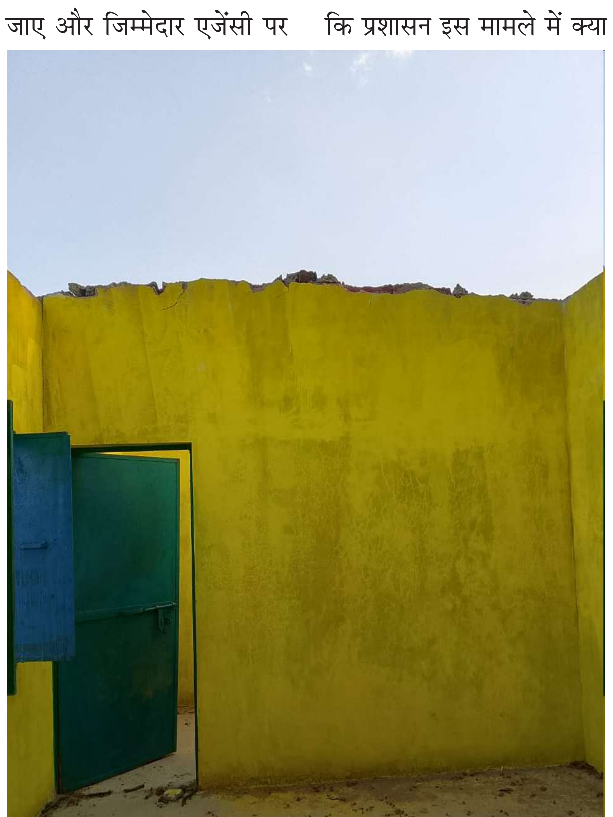

चांदनी बिहारपुर के आसमान में रहस्यमयी हवाई जहाज की उड़ान से दहशत

दो सप्ताह से गांव-गांव मंडरा रहा हवाई जहाज, सीमावर्ती इलाके में बढ़ी चर्चा और चिंता

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर। जिले के सीमावर्ती चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में पिछले दो सप्ताह से लगातार आसमान में एक रहस्यमयी हवाई जहाज की आवाजाही ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। सुबह से लेकर शाम तक कई गांवों के ऊपर बेहद नजदीक उड़ान भरते इस हवाई जहाज को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं और अटकलें लगाई जा रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह हवाई जहाज प्रतिदिन कई बार गांवों के ऊपर चक्कर लगाता दिखाई देता है, जिससे लोगों में भय और असमंजस का माहौल बना हुआ है।

ग्रामीणों के अनुसार सुबह लगभग 10 बजे से शाम 5 बजे तक हवाई जहाज की गतिविधियां लगातार देखी जा रही हैं। कई गांवों में एक ही दिन में चार से पांच बार तक हवाई जहाज मंडराता दिखाई देता है। खास बात यह है कि हवाई जहाज काफी नीचे उड़ता नजर आता है, जिससे उसकी आवाज गांवों तक स्पष्ट सुनाई देती है और लोग घरों से बाहर निकलकर आसमान की ओर देखने लगते हैं।

इस रहस्यमयी गतिविधि को लेकर ग्रामीणों के बीच अलग-अलग चर्चाएं चल रही हैं। कुछ लोगों का कहना है कि क्षेत्र में किसी बड़ी कंपनी द्वारा सर्वे कार्य कराया जा रहा है। वहीं कुछ ग्रामीण इसे सुरक्षा एजेंसियों की गतिविधि या किसी सैन्य तैयारी से जोड़कर भी देख रहे हैं। हाल के दिनों में देश के सीमावर्ती क्षेत्रों और सुरक्षा को लेकर बढ़ी सतर्कता के बीच लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन या संबंधित विभाग की ओर से अब तक इस संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। यही कारण है कि लोगों के बीच भ्रम और आशंका का माहौल बना हुआ है। कई ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मामले में स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है, ताकि अफवाहों पर विराम लग सके।

गौरतलब है कि चांदनी बिहारपुर क्षेत्र सूरजपुर जिले का सीमावर्ती इलाका है, जहां मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की सीमाएं लगी हुई हैं। वहीं मध्यप्रदेश के सिंगरौली क्षेत्र में कई बड़ी औद्योगिक और ऊर्जा परियोजनाएं संचालित हैं। ऐसे में क्षेत्र में उड़ान भर रहे इस हवाई जहाज को लेकर लोगों के मन में और भी सवाल उठ रहे हैं।

क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह किसी सर्वे या सरकारी कार्य का हिस्सा है तो प्रशासन को इसकी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि लोगों में फैली दहशत और भ्रम की स्थिति समाप्त हो सके। फिलहाल रहस्यमयी हवाई जहाज की यह लगातार उड़ान पूरे चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में चर्चा का सबसे बड़ा विषय बनी हुई है।

कुछ दिनों पहले सूरजपुर जिले में मुझे जानकारी मिला था कि एक हवाई जहाज चल रहा है लेकिन बिहरपुर क्षेत्र की जानकारी नहीं पता था आप लोग से जानकारी मिल रहा है मैं इसका जानकारी करती हूं- चांदनी कंवर एसडीएम भैयाथान

मोहरसोप पुलिस चौकी के प्रभारी कमलेश पाठक द्वारा खैरा साप्ताहिक बाजार में चला थाना आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियम एवं सामाजिक जागरूकता का दिया गया संदेश

हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, मालवाहक वाहनों में सवारी नहीं बैठाने एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील

सूरजपुर। जिले के सीमावर्ती चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरा के साप्ताहिक बाजार में मोहरसोप पुलिस चौकी के प्रभारी कमलेश पाठक द्वारा चला थाना एवं यातायात जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीण अंचल में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, युवा एवं वाहन चालक शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान चौकी प्रभारी कमलेश पाठक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है और अधिकांश दुर्घटनाओं का मुख्य कारण यातायात नियमों की अनदेखी एवं लापरवाही है। उन्होंने कहा कि छोटी-सी सावधानी लोगों की जान बचा सकती है। इसलिए दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने ग्रामीणों को समझाइश देते हुए कहा कि हेलमेट केवल कानूनी नियम नहीं बल्कि जीवन सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग छोटी दूरी समझकर बिना हेलमेट वाहन चलाते हैं, जिससे दुर्घटना होने पर गंभीर चोटें आती हैं। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से यातायात नियमों का पालन कर समाज के लिए उदाहरण बनने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा संकल्प अभियानएवं नवजीवन सड़क सुरक्षा जन जागरूकता अभियान के बैनर तले ग्रामीणों को जागरूक किया गया। बैनरों में सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेशों के माध्यम से लोगों को बताया गया कि छोटी-छोटी गलतियां बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। साथ ही सुरक्षित वाहन चलाने, तेज रफ्तार से बचने एवं यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी गई।

चौकी प्रभारी कमलेश पाठक ने मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाकर यात्रा कराने पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मालवाहक वाहन केवल सामान परिवहन के लिए बनाए गए हैं और उनमें लोगों को बैठाकर यात्रा कराना नियम विरुद्ध होने के साथ-साथ बेहद खतरनाक भी है। कई दुर्घटनाओं में ऐसे वाहनों के पलटने से गंभीर जनहानि हो चुकी है। इसलिए ग्रामीणों से अपील की गई कि वे स्वयं भी ऐसे वाहनों में यात्रा न करें और अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें।

कार्यक्रम के दौरान शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, ओवरलोडिंग नहीं करने, तेज गति से वाहन नहीं चलाने तथा सड़क पर सावधानी बरतने की समझाइश भी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि सभी लोग नियमों का पालन करेंगे तो दुर्घटनाओं में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है।

इसके अलावा ग्रामीणों को कानून व्यवस्था बनाए रखने, सामाजिक सौहार्द कायम रखने तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने साइबर अपराध, मोबाइल ठगी एवं सामाजिक अपराधों से बचाव संबंधी जानकारी भी ग्रामीणों को दी। कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गांवों में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होने से लोगों में कानून एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ती है तथा युवाओं को सही दिशा मिलती है। ग्रामीणों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर चौकी प्रभारी कमलेश पाठक, कमलेश गुर्जर, सहित थाना स्टाफ उपस्थित रहा। वहीं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन कार्यक्रम में शामिल होकर पुलिस द्वारा दिए गए संदेशों को गंभीरता से सुना।

संक्षिप्त समाचार

स्कूटी की रफ्तार पर टोकना पड़ा भारी, चाकू से जानलेवा हमला करने वाला' मेंटल गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली । थाना कैंट क्षेत्र में स्कूटी की तेज रफ्तार को लेकर हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। तेज रफ्तार स्कूटी चलाने का विरोध करने पर आरोपी ने युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मोहनपुर मैक्स सिटी नकटिया निवासी मुकेश कुमार ने थाना कैंट में शिकायत दर्ज कराई कि आकाश शर्मा उर्फ 'मेंटल' तेज और लापरवाही से स्कूटी चला रहा था। जब उसे धीरे चलाने के लिए कहा गया तो वह आगबबूला हो गया और जान से मारने की नीयत से चाकू से हमला कर फरार हो गया। घटना के बाद थाना कैंट पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी आकाश शर्मा उर्फ मेंटल को नकटिया नदी के पास खाली मैदान से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त घरेलू चाकू भी बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि चाउमीन की दुकान के पास विवाद के दौरान गुस्से में आकर उसने हमला किया था और बाद में चाकू नदी में फेंकने जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी पर पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मन को जीतना है तो करें मानसिक पूजा – आचार्य श्याम बिहारी चतुर्वेदी का दिव्य संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। राजेंद्र नगर स्थित बांके बिहारी मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस पर वृंदावन धाम से पधारे आचार्य श्याम बिहारी चतुर्वेदी ने कपिल-देवहूति प्रसंग सुनाते हुए मन को एकाग्र करने और इंद्रियों को वश में करने के सरल उपाय बताए। आचार्य ने कहा कि माता देवहूति ने कपिल भगवान से पूछा था कि मन को बस में कैसे किया जाए और बंधन क्या है। इस पर कपिल भगवान ने बताया कि सुबह उठकर प्राणायाम करना मन को नियंत्रित करने का सबसे सरल उपाय है। नासिका के अग्रभाग पर ध्यान केंद्रित कर का स्मरण करने से मन एकाग्र होता है। उन्होंने कहा कि कलयुग में मानसिक पूजा अत्यंत फलदायी है। यदि व्यक्ति माला जाप करते हुए मन में श्री गोवर्धन परिक्रमा का भाव करे, तो उसे पूजा और परिक्रमा दोनों का फल प्राप्त होता है। नियमित अभ्यास से मन और इंद्रियां दोनों वश में हो जाती हैं। आचार्य ने कहा कि मन ही बंधन और मन ही मुक्ति का कारण है। यदि मन भगवान में लग जाए तो व्यक्ति मुक्त हो जाता है, और संसार में फंस जाए तो बंधन में पड़ जाता है। कथा में भजन गायक जगदीश भाटिया, दीपक भाटिया, राकेश कपूर, विनोद और विवेक सहित दूर-दराज से आए श्रद्धालु मौजूद रहे। मंदिर समिति के पदाधिकारी भी कथा में शामिल हुए।

थाना इस्लामनगर पुलिस को मिली बड़ी सफलता

क्यूँ न लिखूँ सच/ रंजीत सिंह/ बदायूं / एसएसपी सुश्री अंकिता शर्मा मुकदमों के अनावरण हेतु निर्देश दिये गये थे आदेश के अनुपालन मे एवं अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी बिल्सी के नेतृत्व मे थाना इस्लामनगर पर पंजीकृत मुकदमो का सफल अनावरण कर अभियुक्तगण की गिरफ्तारी / माल बरामदगी हेतु टीमें गठित की गयी थी रात्रि मे पुलिस चैकिंग के दौरान मुखविर की सूचना पर कि थाना इस्लामनगर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सुन्दरनगर मे घर मे घुस कर हुई लूट से सम्बन्धित अभियुक्तगण कोई घटना करने की फिराक मे ग्राम कन्धरपुर के कच्चे रास्ते से कई सालो से बन्द पडे ईंट भट्टे की तरफ होते हुये इस्लामनगर से बिसौली रोड पर निकलेंगे मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुचकर पुलिस पार्टी द्वारा बदमाशों को आत्मसमर्पण के लिये कहा गया लेकिन बदमाशों द्वारा पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से नाजायज असलाह से फायर किया जिसमें हे0का0 534 अमित कुमार गोली लगने से घायल हो गये तथा पुलिस पार्टी द्वारा आत्मरक्षार्थ बदमाशों पर जबाबी फायरिंग की जिससे 02 बदमाश 1.नदीम उर्फ शाकिर पुत्र जाकिर हुसैन नि0 मौ0 प्यास कस्बा व थाना सिरौली जनपद बरेली 2.आस मौहम्मद पुत्र ताज मौहम्मद नि0 मौ0 प्यास कस्बा व थाना सिरौली जनपद बरेली का गोली लग जाने से घायल हो गये व 01 बदमाश सद्दु पुत्र अच्छन नि0 वार्ड नं0 02 कस्बा व थाना सिरौली जिला बरेली का मौके से गिरफ्तार किया गया एवं मौके से 02 अदद तमंचा 315 बोर व 02 खोखा तथा 02 जिंदा कारतूस 315 बोर व लूटा हुआ माल 01 जोडी पाजेब सफेद धातु, 02 ओम लोकेट पीली धातु, 01 अंगुठी पीली धातु व 7000 रुपये (सात हजार रुपये) व एक टार्च बरामद हुए। घायल पुलिस आरक्षी व अभियुक्तगण को उपचार हेतु जिला अस्पताल बदायूँ भर्ती कराया गया पुलिस मुठभेड़ की घटना के सम्बन्ध में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। एवं गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण को माननीय न्यायलय के समक्ष पेश किया जायेगा गिरफ्तार अभियुक्तगण से की गयी पूछताछ की गई तो तीनो अभियुक्तगण द्वारा बताया कि दिनांक 16/17.05.2026 की रात्रि मे हम सभी लोग एक साथ ग्राम सुन्दरनगर के एक घर मे घुसे थे और उसके घर से लोहे के बक्से को उठा कर ले चल दिये थे । तभी उस घर की एक महिला जाग गयी और जैसे ही वह चिल्लाने को हुई तभी हमने उसको डरा धमकाकर थप्पड मारकर व तमंचा दिखाकर गले मे पहनी चैन को खींच लिया और चैन को व बक्से को अपने साथ लेकर बाहर जंगल मे खेतो की तरफ आकर बक्से को खोलकर देखा तो बक्से मे रखे जेवरात और रुपया निकालकर के बक्से को खेत पर ही छोड कर चले गये थे जो जेवरात व रुपये हमे मिले थे वह हमने यही पर ईंट भट्टे के पीछे थोडी दूरी पर छिपा कर रखे गये थे । जिसे आज निकालकर आपस में बांट कर पैदल –पैदल खेतो के रास्ते बेचने जा रहे थे कि आपने हमे पकड़ लिया ।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जनपद में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ बकरीद पर्व

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ उरई, कालपी सहित संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार भ्रमण, ड्रोन व पुलिस बल की निगरानी से बना सौहार्दपूर्ण माहौल ईद-उल-अज़्हा (बकरीद) पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह पूरे दिन जनपद में सक्रिय रहे। दोनों अधिकारियों ने उरई, कालपी सहित विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर

सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पर्व के दौरान सभी अधिकारी सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी पर्व आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांति के वातावरण में सम्पन्न कराए जाएं। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी सतत निगरानी रखी जा रही है और माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।जनपद में प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल, मजिस्ट्रेट तैनात रहे। ड्रोन कैमरों एवं सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की गई तथा लगातार गश्त कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। अधिकारियों ने मस्जिदों एवं ईदगाहों के आसपास साफ-सफाई, पेयजल, यातायात एवं विद्युत व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। जनपद में ईद-उल-अज़्हा का पर्व पूर्णत: शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ, जो जनपद की गंगा-जमुनी तहजीब एवं सामाजिक एकता का प्रतीक है।

नदीगांव कस्बे में शांति पूर्वक बकरीद अता की गई सुरक्षा व्यवस्था रही चुस्त दुरस्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)। नगर पंचायत नदीगांव स्थित ईदगाह परिसर में

बकरीद की नवाज अदा की गईं मुहम्मद जीशान हाशमी द्वारा सुबह साढ़े सात बजे बकरीद की नवाज अदा करवाई गईं जिसमें सैकड़ो की संख्या में मुस्लिम भाइयों ने ईदगाह पर पहुंच कर नवाज अदा कर मुल्क में अमन चैन खुशहाली की दुआएं मांगी जामा मस्जिद में मौलाना अब्दुल कादरी ने नवाज अदा करवाई इसके बाद एक दूसरे से गले मिलकर शुभ कामनायें दी है इस दौरान अहमद खान, खलील खान, इदरीश खान, कल्लू खान, लला रफीक खान, साकिर खान, सलीम खान, चाँदबाबू, सलामत खान,पप्पन, अंसार अहमद, नफीस, सुलेमान, फिरोज खान फैजान खान आदि लोग मौजूद रहें इस सुरक्षा व्यवस्था में नदीगांव थाने के प्रभारी निरीक्षक शशिकांत चौहान एसएसआई राजकुमार चौधरी, दरोगा संदीप तोमर, दरोगा ऋषि कुमार कटियार दरोगा हीरा लाल राजपूत दीवान उदय सिंह यादव दीवान मनोज दीक्षित , सिपाही सुमित पाठक सुमित मिश्रा देवेश तिवारी बागेश, ब्रह्मजीत सिंह,सोनू यादव,उपेंद्र यादव, आदि पुलिस फ़ोर्स मौजूद रहा।

तीतरा में MPL क्रिकेट का रोमांच चरम पर, विधायक खेल महोत्सव में उमड़ी खेल प्रेमियों की भीड

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ विनोद चतुर्वेदी और मूलचंद निरंजन ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह, देर रात तक गूंजता रहा चौकों-छक्कों का शोर कोंच (जालौन)। विधायक खेल महोत्सव के अष्टम दिवस पर ग्राम तीतरा में आयोजित माधौगढ़ प्रीमियर लीग (MPL) 2026 क्रिकेट प्रतियोगिता का रोमांच अपने चरम पर पहुंच गया। ग्रामीण अंचल से पहुंची टीमों ने शानदार खेल प्रदर्शन कर मैदान में मौजूद दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। देर रात तक चौकों-छक्कों की गूंज और खेल प्रेमियों की भारी भीड़ से पूरा मैदान गुलजार रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी और माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन शामिल हुए। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी के. के. सिंह, मनरेगा अधिकारी रामेंद्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख रामपुरा अजीत सिंह सेंगर, हिमांशु निरंजन एवं देवेंद्र निरंजन भी मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ उन्हें मंच और अवसर देने की है। वहीं माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन ने खेलों को युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। प्रतियोगिता का संचालन आशु निरंजन द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि विधायक खेल महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे युवाओं में खेल भावना और अनुशासन विकसित हो सके। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र में उत्साह और खेल भावना का माहौल देखने को मिला।

बिना सुरक्षा चल रहा कोल्ड स्टोर अमोनिया गैस रिसाव में मजदूर बुरी तरह झुलसा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अंडा के पास संचालित निर्माणाधीन एक कोल्ड स्टोरेज में जहरीली अमोनिया गैस का रिसाव हो गया जिससे वहां काम कर रहा एक कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद उस पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई। सबसे बड़ा सवाल ये है कि आखिर बिना सुरक्षा मानकों और जरूरी इंतजामों के यह कोल्ड स्टोर कैसे संचालित हो रहा था एट कोंच मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम अंडा के ओम नम शिवाय कोल्ड स्टोरेज का

है जहां पम्प मशीन की सफाई के दौरान अचानक अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया। जहरीली गैस की चपेट में आकर मैनपुरी निवासी कर्मचारी अनूप झुलस कर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई और काम कर रहे अन्य कर्मचारियों ने आनन फानन में उस घायल को प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम हेमंत पटेल और सी ओ परमेश्वर प्रसाद मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच पड़ताल की जांच के दौरान जो खुलासे सामने आये है उसमें मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए। कोल्ड स्टोरेज के कर्मचारी मौके पर न तो लाइसेंस दिखा सके और न ही जरूरी दस्तावेज इतना ही नहीं मौके पर फायर सेफ्टी के भी कोई इंतजाम नहीं मिले।अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर बिना सुरक्षा मानकों, बिना लाइसेंस और बिना फायर सेफ्टी के यह कोल्ड स्टोरेज किसकी मेहरबानी से संचालित हो रहा था और इस में किस अधिकारी की शह थी क्या मजदूरों की जिंदगी यूं ही खतरे में डाली जाती रहेगी या फिर जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होगी फिलहाल प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है, लेकिन इस हादसे ने एक बार फिर सिस्टम की लापरवाही और मजदूरों की सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं इस मामले में जिला प्रशासन को जांच हेतु कमेटी बनानी चाहिए ताकि यह पता चल सके कि यह कोल्ड स्टोरेज किस नियम मानक और गुणवत्ता से बनाया जा रहा है

बकरा ईद की नमाज ईदगाह पर पड़ी गई: मौलाना सगीर अहमद ने नमाज पढ़ी देश की अमन शांति और खुशहाली की दुआ मांगी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन) आज गुरुवार बकरा ईद त्यौहार बड़े उत्साह के

साथ मनाया गया नगर के महेशपुरा रोड स्थित ईद गाह पर मौलाना सगीर अहमद ने साढ़े सात बजे नमाज पढ़ी और बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अता की इस ईद को लेकर नगर की सभी मस्जिदों में निर्धारित समय पर नमाजियों ने नमाज पढ़ी और देश की शांति और खुशहाली के लिये दुआ मांगी इस ईद गाह परिसर में बड़ी संख्या में सुरक्षाबल मौजूद रहा नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर बधाई दी इस अवसर पर एसडीएम हेमंत पटेल नायब तहसीलदार जितेंद्र पटेल सीओ परमेश्वर प्रसाद नगर पालिका परिषद की अधिशाषी अधिकारी मोनिका उमराव कोतवाल ब्रजेश बहादुर सिंह अतिरिक्त इंस्पेक्टर अरुण कुमार यादव एसएसआई विमलेश कुमार यादव खेड़ा चौकी के प्रभारी शिवनारायण वर्मा मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार सागर चौकी के प्रभारी सुमित पांडेय सुरई चौकी के प्रभारी अभिषेक सिंह दरोगा राजेश यादव दरोगा अशोक कुमार वर्मा दरोगा वीपी यादव दरोगा हरिश्चंद्र पाल दरोगा कल्बे पतंजन दरोगा शुभम परमार शहर काजी बसीरउद्दीन राम मिलन कुशवाहा सभासद आवेश जाटव बसपा नेता ओर प्रत्याशी आशीष पांडेय राम सेवक चौधरी पूर्व नगर अध्यक्ष महेंद्र कुशवाहा सभासद अवधेश चौधरी मोहम्मद जाहिद सभासद शादाब अंसारी शकील अंसारी रोहित कठेरिया अजय बरार सतीश परिहार कृष्ण पाल महंत सोनू यादव रिजवान कुरैशी मह्लू शाह तौफीक अंसारी अजीम खान सईद अहमद खन्ना नासिर बोस विकार अहमद चिराग हुसैन चौधरी वाहिद कुरैशी अशफाक गौरी नन्नू राजा सहित कई लोग मौजूद रहे इसके बाद घरों में कुर्बानी का दौर चलता रहा और यह ईद के त्यौहार शांति सद्भाव के साथ सम्पन्न हुआ

संक्षिप्त समाचार

बगैर सी सी निर्माण के क्षेत्र पंचायत ने करा लिया भुगतान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)।भ्रष्टाचार के नए नए कारनामे सामने आते रहते हैं जिनमें से ग्राम पंचायत गुमावली के मजरा ग्राम हरदुआ में फर्जी सी सी भुगतान बगैर कार्य के क्षेत्र पंचायत द्वारा करा लिया गया है क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रदीप कुमार निबासी ग्राम कैथी ने दिन मंगलवार को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को एक शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि ग्राम हरदुआ में क्षेत्र पंचायत द्वारा बर्ष 2022-23 में सी सी निर्माण शंकर जी के मंदिर से रघुराज के मकान तक बर्क आई डी संख्या 3138006/आर सी/95848625582341O959 है जिसका कुल भुगतान 5 लाख 27 हजार रुपया निकाला गया है जबकि मौके पर कोई भी कार्य नहीं कराया गया प्रदीप कुमार ने एस डी एम से उपरोक्त फर्जी काम की जांच टी एस सी/चीफ टी एस सी से कराकर भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग की है।

नीट पेपर लीक मामले पर राजनाथ सिंह के घर बड़ी बैठक, शिक्षा मंत्री समेत NTA और PMO के अधिकारी भी मौजूद

नीट पेपर लीक मामले पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हाई लेवल बैठक चल रही है। बैठक में धर्मेंद्र प्रधान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, एनटीए डीजी अभिषेक सिंह और पीएमओ के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। मामले में अहम फैसले संभव हैं नीट पेपर लीक मामले को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हाई लेवल बैठक जारी है। सूत्रों के मुताबिक बैठक में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, एनटीए डीजी अभिषेक सिंह और पीएमओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद हैं। मामले को लेकर बड़े फैसले लिए जाने की संभावना जताई जा रही है गौरतलब है कि नीट यूजी 2026 परीक्षा 3 मई को आयोजित हुई थी। अनियमितताओं के संकेत मिलने के बाद परीक्षा 12 मई को रद्द कर दी गई थी। अब 21 जून को होने वाली नीट पुनर्परीक्षा में करीब 23 लाख छात्र शामिल होंगे। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान लगातार परीक्षा तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हाई लेवल बैठक की जा रही है।

भाजपा के पांच जिलाध्यक्ष घोषित, रमेश प्रसाद गुप्ता को गोरखपुर, रामसकल पटेल को मिली वाराणसी की जिम्मेदारी

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में बचे हुए पांच जिलाध्यक्षों की घोषणा कर संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। नए पदाधिकारियों को बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को सफल बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। नियुक्तियों के बाद कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल दिखाई दे रहा है।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को प्रदेश के शेष बचे पांच जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इसमें अम्बेडकरनगर, वाराणसी, चंदौली, गोरखपुर महानगर एवं देवरिया के जिलाध्यक्षों की घोषणा की है। दिलीप देव पटेल को अम्बेडकरनगर, राम सकल पटेल को वाराणसी, काशी नाथ सिंह को चंदौली, रमेश प्रसाद गुप्ता को गोरखपुर महानगर एवं काली प्रसाद को देवरिया का जिलाध्यक्ष घोषित किया है।भाजपा जल्द अपनी नई टीम घोषित करेगी उत्तर प्रदेश संगठन में आमूलचूल बदलाव के साथ भाजपा जल्द अपनी नई टीम घोषित करेगी। इस नई टीम के जरिये भाजपा की रणनीति सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का जवाब अपने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अगड़ा) से देने की है। इस समीकरण को साधने के लिए पार्टी सभी छह क्षेत्रीय इकाइयों के अध्यक्ष और सभी सात मोर्चे के अध्यक्ष के पद में बदलाव के साथ ही राज्य कार्यकारिणी में भी बड़ा बदलाव करेगी। केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी मिलने के बाद राज्य अध्यक्ष पंकज चौधरी अपनी नई टीम की घोषणा कभी भी कर सकते हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक कई दौर की बैठकों के बाद नई टीम का खाका न सिर्फ तैयार कर लिया गया है, बल्कि इसे केंद्रीय नेतृत्व की हरी झंडी भी मिल गई है। पीडीए को ही वरीयता दी जाएगी- तय रणनीति के मुताबिक क्षेत्रीय इकाइयों, मोर्चों की कमान तय करने में अति पिछड़ा, गैरयादव पिछड़ा और अगड़ा वर्ग में संतुलन स्थापित किया जाएगा। इसी प्रकार नई कार्यकारिणी में 40 से 50 फीसदी जगह भी नए चेहरों से भरा जाएगा। नई कार्यकारिणी में भी अपने पीडीए को ही वरीयता दी जाएगी। कई स्तर पर संवाद के बाद तैयार हुई सूची नई टीम की सूची तैयार करने के लिए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, संगठन महासचिव बीएल संतोष और संघ के साथ कई दौर की चर्चा की। चर्चा के बाद उनकी ओर से केंद्रीय नेतृत्व को रिपोर्ट भी पेश किया गया। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व ने नई टीम के गठन के लिए हरी झंडी दे दी है।

Why do butterflies flutter in your stomach before an exam or interview? Learn the science behind this anxiety.

If you experience stomach anxiety before an interview or any other exam, don't panic! It's perfectly normal. Have you ever had a surprise test at school, or while waiting for your turn for a job interview, felt butterflies flutter in your stomach? In fact, this happens to many people. At these times, your heart rate increases or you feel a strange sensation in your stomach, a twinge, or a feeling of nervousness is a fairly common experience. This isn't an imaginary feeling; there's a scientific reason behind it. Let's understand the connection between our brain and stomach that makes us feel this nervous just before an exam or interview. The unique connection between the brain and the stomach: The biggest reason for this nervousness is our body's enteric nervous system. In fact, there's a vast network of neurons between the stomach and the brain. That's why the stomach is also called the second brain. Our primary brain and this secondary brain, the stomach, are directly connected via the vagus nerve. This is why whenever a thought or stress arises in our mind, it directly impacts our stomach. Fight or Flight Response and Adrenaline: When we are about to face a situation, such as an exam or interview, our brain perceives it as a threat or challenge. To deal with this situation, our central nervous system activates the fight or flight response in the body. As soon as this response is activated, stress hormones like adrenaline and cortisol are rapidly released in the body. The primary function of these hormones is to prepare the body to fight or flee the impending crisis. This directs energy to the organs most needed at that time, such as our muscles, heart, and lungs. How can this anxiety be reduced? Although this is a normal process of the body, you can reduce it with some simple methods: Take deep breaths - Whenever you feel nervous, inhale for 4 seconds and exhale slowly in 6 seconds. This sends a message to the brain that everything is fine and calms the fight or flight response. Think positively - Instead of considering this nervousness as fear, think that your body is preparing itself for this challenge. Eat light food - Avoid eating very heavy or oily food just before an exam or interview, so that there is no extra pressure on your digestive system.

Create a stunning vertical garden using plastic bottles, giving your home a luxurious look in a limited space.

In this article, you'll learn how to create a stunning vertical garden at home using old plastic bottles. Are you a plant lover, but a lack of space bothers you? Or do you want to give your home a fresh, green, and luxurious look on a budget? If so, today we've brought you an idea that will solve all your problems. We're talking about a vertical garden. The best part is that you don't need to buy expensive pots from the market to create one. Unused plastic bottles lying around in your home are the perfect solution. Let's explore the easy way to create one. What is a vertical garden? Simply put, a vertical garden is when plants are planted vertically against a wall instead of spreading them out on the ground. This not only saves you a lot of space, but also makes your empty and boring walls look as beautiful as a five-star hotel garden. Required items for vertical gardening: Empty plastic bottles (all the same design and size will look better) Scissors or paper cutter Strong nylon rope or wire Good quality soil and organic fertilizer Acrylic paint or spray paint (to decorate the bottles) Small and beautiful plants Step-by-step method of vertical gardening: Prepare the bottles: First, wash and dry all the bottles thoroughly. Now, lay the bottles down and make a square or oval cut in the center. This cut should be large enough to easily add soil and plant the plant. Make sure to make 2-3 small holes in the bottom of the bottle to drain out excess water. Add a 'luxury' touch with colors: If you want a truly classy and luxurious look, don't just hang the bottles. Paint them with matte black, white, or gold spray paint. Once the paint dries, these bottles will look like expensive ceramic pots, and no one will recognize them as old water bottles. Tie-up with a rope: Drill small holes on both sides of the bottles. Take a strong rope or wire and thread it through the holes to tie the bottles one below the other. You can arrange 3 to 5 bottles in a long line, depending on the height of your wall. Plant and decorate: Fill these bottles with light soil mixed with compost and plant your favorite small plants. Press the soil down lightly and sprinkle some water. Hang them in the right place. Your vertical garden strings are ready. Now hang them on your balcony wall, in an empty corner of your living room, or near your window with sturdy hooks. Which plants are best for a vertical garden? Plastic bottles contain less soil, so always choose plants that don't have deep roots and can thrive with minimal care: Money plant: This plant hangs down and looks very beautiful. Spider plant: Its green and white leaves add an attractive look to the garden. Fern: It spreads rapidly and makes the wall completely green. Evergreen or Portulaca: If your wall receives good sunlight, you can also plant colorful flowering plants on it. Use a spray bottle to water the plants. This will prevent soil from spilling out and keep the walls clean.

Troubled by hair breakage? Tulsi-Neem Hair Masks Will Help Strengthen Your Hair From the Roots

Tulsi and Neem hair masks can be very beneficial for strengthening hair. Hair plays a vital role in enhancing our beauty, but pollution, stress, and unhealthy eating habits can cause significant damage. These can lead to hair loss, dandruff, and dryness. In such situations, some natural remedies suggested in Ayurveda prove to be extremely effective. Tulsi and Neem are two such herbs that strengthen hair roots, detoxify the scalp, and promote hair growth. Let's learn about some excellent Tulsi and Neem hair masks that will give your hair both strength and shine. Tulsi-Neem Hair Mask - To make this hair mask, grind 10-12 Tulsi leaves and 10-12 Neem leaves into a paste. Add two tablespoons of coconut oil and apply it thoroughly to the scalp. Wash off with a mild shampoo after 30 minutes. This hair mask nourishes the hair roots, keeps the scalp free from bacteria, and promotes new hair growth. Tulsi-Neem and Aloe Vera Mask - Make a smooth paste by mixing one tablespoon of basil paste, one tablespoon of neem paste, and two tablespoons of aloe vera gel. Apply it to the hair roots, leave it on for 25 minutes, and then wash it off with normal water. This mask cools the scalp, reduces dandruff, and relieves itching. Tulsi-Neem and Yogurt Mask - Make a thick paste by mixing two tablespoons of basil and neem paste, three tablespoons of yogurt, and one teaspoon of honey. Apply it to the hair from roots to ends and wash it off with a mild shampoo after 30 minutes. Yogurt and honey moisturize the scalp, leaving hair soft, shiny, and frizz-free. Tulsi-Neem and Fenugreek Mask - Mix one tablespoon of basil paste, one tablespoon of neem paste, two tablespoons of soaked fenugreek paste, and one tablespoon of olive oil. Apply to the scalp, massaging gently. Wash off after 40 minutes. Fenugreek strengthens hair roots and prevents hair loss, while basil and neem help maintain hair growth by keeping the scalp clean.

Karan proposed to Tejasswi, while his ex-girlfriend's cryptic post went viral; users said, "Move on, please!"

Amidst Karan Kundra and Tejasswi Prakash's marriage proposal, a recent post by the actor's ex-girlfriend, Anusha Dandekar, is going viral, angering people. After dating for several years, Karan Kundra and Tejasswi Prakash are finally ready to enter a new phase of their lives. Recently, on the Netflix reality show "Desi Blings," Karan Kundra proposed to Tejasswi Prakash by giving her a diamond ring. However, Karan Kundra's ex-girlfriend, Anusha Dandekar, also shared a story that infuriated social media users. However, Anushka has now responded. What did Anusha Dandekar write in her post? Users said - Please move on now - After this cryptic post of Anusha Dandekar went viral, a user slammed the actress and wrote, "Why are you so obsessed with Karan Kundra?" Another user wrote, "We can understand that you don't like this couple, but you have stooped very low by doing such a thing on their special day." Another user wrote, "I don't like Karan Kundra, but this is very strange. Seriously, move on, move on in life. You are embarrassing yourself." Anusha Dandekar clears up misunderstandings - After constant trolling, Anusha Dandekar recently posted another post directly stating her point of view and wrote, "You honestly don't know anything, especially what these articles are. When I'm talking about something, I'm attributing it to God for my own personal reasons. You're connecting everything to Him and getting on top of me, based on your own perception, really. I've seen those cute DMs that have been sent to me, and I agree with them. Whatever you want to write and think, keep thinking. Love you." Around the time this episode of Karan Kundra and Tejasswi Prakash from 'Desi Bling' aired on Netflix, Anusha shared a cryptic post on her official Instagram story, writing, "I thank God." Although Anusha Dandekar did not mention anyone's name in this post, but from the timing of her story, fans are guessing that she posted this message for her ex-boyfriend Karan Kundra. Anusha-Karan's breakup happened in 2020 - Anusha Dandekar and Karan Kundra started dating each other in the year 2016. They dated each other for more than 3 years. However, in the end of 2020, Anusha confirmed their breakup by sharing a long post on her official Instagram account. She accused Karan Kundra of lying and cheating.

She was trolled as Lata Mangeshkar, giving Bharti a run for her money with a punchline; where is the comedian who once feuded with Kangana?

If anyone gave Bharti Singh a run for her money in the comedy world, it was Sugandha Mishra. From mimicking Lata Mangeshkar to getting embroiled in a controversy with Kangana, where is this comedian today? Establishing one's foothold in the comedy world isn't easy, especially for women. From Guddi Maruti to Bharti Singh, there are very few females whose one-liners can make audiences laugh. One of these names is Sugandha Mishra, who debuted on "The Great Indian Laughter Challenge" in 2008. However, after leaving Kapil Sharma's show, she gradually faded from the limelight. Where is Sugandha now and what is she doing? On her birthday, learn about some of the comedian's controversies. Accused of mocking Lata Mangeshkar - Sugandha Mishra is generally known for her comedy, but she got recognition in the true sense when she started mimicking Lata Mangeshkar in shows. However, she had to face trolling many times for imitating the legendary singer. In the year 2015, Sugandha came in the getup of 'Sexyla' and mimicked Lata Mangeshkar in an award function. Her speaking style and singing were mocked, due to which veteran singers like Alka Yagnik and Lalit Pandit strongly objected to her act. Giving clarification on this, Sugandha Mishra had said that people were laughing when she was acting, but later people created controversy over it. She also angered Kangana Ranaut - Sugandha Mishra not only came into the limelight for mimicking Lata Mangeshkar, but in the year 2017, when Kangana Ranaut came to promote her film 'Rangoon' in 'The Voice of India Season 2', singers Salim Merchant and Shaan asked the show host to mimic her. The comedian also imitated Kangana Ranaut's character 'Datto' from 'Tanu Weds Manu Returns'. Kangana was not happy with Sugandha's mimicry, instead she reacted sharply and said, 'I feel like slapping her.' After Kangana said this, there was an atmosphere of silence on the set and many reports also claimed that there was a fight between the two, but Sugandha later clarified that it was just fun and a part of the script. What is Sugandha Mishra doing now away from comedy - Born on 23 May 1988, Sugandha Mishra may not be doing stand-up comedy now, but she is still very active on screen. Currently, she is seen in Sony SAB's show 'Wagle Ki Duniya - Nayi Peedhi Naye Kisse', in which she plays the character of Suman. Sugandha also keeps posting many comedy videos on Instagram with her husband Sanket Bhosale.

At the age of 76, this beauty is openly dating, spotted with her boyfriend; her marriage ended at 45.

Miranda Presley of "The Devil Wears Prada 2" has found love again at the age of 76. A photo of the actress with her boyfriend has gone viral. Actress Meryl Streep, who once again graced the screen as Miranda Presley in "The Devil Wears Prada 2," is once again making headlines online after many years for her love life. Reports suggest that at the age of 76, the actress has found love for the second time. Who is the person who brought love into her life? Read the details below: Love has entered Meryl Streep's life - A photo of 76-year-old actress Meryl Streep with her co-star Martin Short is going viral online. The two stars worked together on the hit series "Only Murders in the Building." Rumors about their dating made headlines after that. Now, after a long time, Meryl and Martin were spotted together again on a dinner date, where the couple appeared to be spending some private time. A photo of the couple is going viral on Instagram, showing them sitting close to each other and relaxing. In the photo, Meryl Streep rests her head on Martin's shoulder, and they are both looking at a mobile screen together. Sharing the video on Instagram, a fan wrote, "I spent a few days in London and went to a restaurant. There, I had the opportunity to dine within a short distance of Meryl Streep and her partner. However, Streep and Short are not married." Meryl Streep's marriage ended in 2017. Fans are showering this photo of the two 76-year-old actors with love. According to reports, Meryl and Martin started dating in 2014 and were seen together at several events, including the Golden Globe Awards. However, Martin denied any romantic relationship with the actress. Meryl Streep also stated that they were close friends. Before rumors of an affair with Martin surfaced, the American actress's marriage to Don Grummer ended in 2017. However, they never divorced, and in 2013, a source close to the actress confirmed the news of her separation. They married in 1978, but their relationship ended after 45 years due to personal reasons. Meryl Streep has four children.